

हिंदी ऑनलाइन कक्षा में आप सभी का स्वागत है।

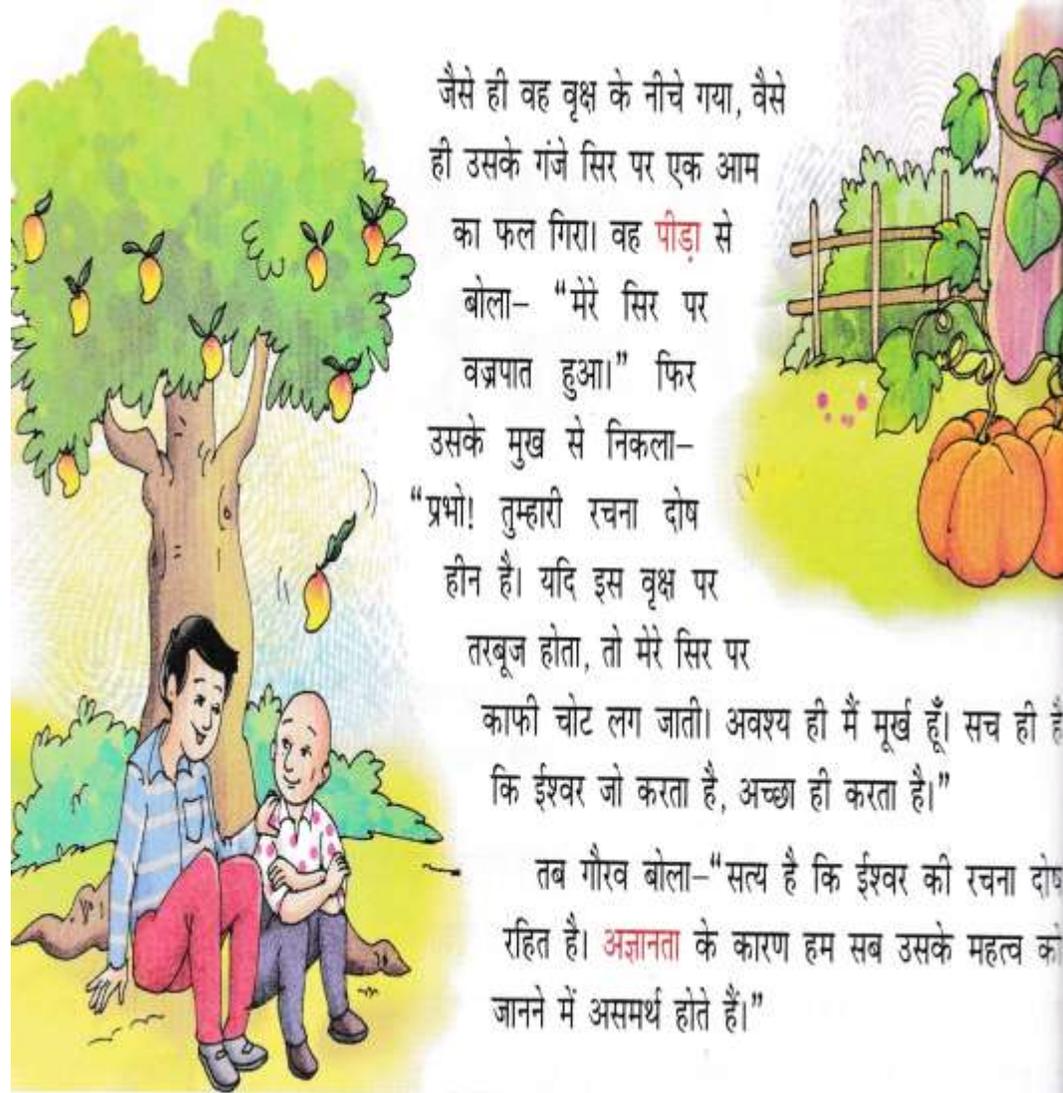
कक्षा -६

हिन्दी

पाठ -3

ईश्वर जो करता है ,
अच्छा ही करता है

CHANGING YOUR TOMORROW



जैसे ही वह वृक्ष के नीचे गया, वैसे ही उसके गंजे सिर पर एक आम का फल गिरा। वह पीड़ा से बोला- “मेरे सिर पर वज्रपात हुआ।” फिर उसके मुख से निकला- “प्रभो! तुम्हारी रचना दोष हीन है। यदि इस वृक्ष पर तरबूज होता, तो मेरे सिर पर काफी चोट लग जाती। अवश्य ही मैं मूर्ख हूँ। सच ही है कि ईश्वर जो करता है, अच्छा ही करता है।”

तब गौरव बोला- “सत्य है कि ईश्वर की रचना दोष रहित है। अज्ञानता के कारण हम सब उसके महत्व को जानने में असमर्थ होते हैं।”

शब्दार्थ-

पीड़ा- कष्ट, दर्द, दुख
वज्रपात- विजली गिरना
दोष हीन- दोष न होना
अज्ञानता- जिसे ज्ञान न हो
असमर्थ- योग्यता न रखने वाला
महत्व- श्रेष्ठता, बड़प्पन, बड़ाई

अर्थबोध-

- *दो मित्र वृक्ष के नीचे आराम करते समय निखिल के गंजे सिर पर आम गिरा ।
- *निखिल को दर्द हुआ तब उसे ईश्वर की रचना समझ में आया।
- *निखिल ईश्वर की रचना को दोष रहित मानता है।
- *गौरव निखिल के बातों से सहमत हुआ।
- *निखिल का ईश्वर पर विश्वास होता है।
- *गौरव निखिल को समझाता है कि हम मनुष्य अपनी अज्ञानता के कारण ईश्वर की रचना को समझने में असमर्थ होते हैं।
- *दोनों मित्रों को ईश्वर के महत्व, अस्तित्व तथा सर्वशक्तिमान होने का अहसास होता है।

निखिल नास्तिक होने के कारण ईश्वर के रचना को त्रुटिपूर्ण मानता था। परन्तु जब वह आम के पेड़ के नीचे विश्राम करता था तब उसके सिर आम गिरा। तब उसे ईश्वर की रचना समझ में आया वह अपनी गलती समझ सका। उसी प्रकार हम मनुष्य अपने अज्ञानता के कारण ईश्वर की रचना को समझने में असमर्थ होते हैं और उसे दोष पुर्ण मानते हैं।

विलोम शब्द

मित्र- शत्रु

त्रुटिपूर्ण- त्रुटिरहित

कमजोर- ताकतवर

लंबा- छोटा

इधर- उधर

पतली- मोटी

संबंधित प्रश्न-

१. किसके सिर पर आम गिरा?
२. निखिल गौरव को क्या कहा?
३. गौरव निखिल को क्या समझाया है?
४. निखिल नास्तिक से आस्तिक कैसे बना?

गृहकार्य- पढ़ाए गए पाठ को पढ़ो।

THANKING YOU
ODM EDUCATIONAL GROUP